ब्रज ठकुरानी राधा लाडो रानी राधा (कीर्तन)

ब्रज ठकुरानी राधा लाडो रानी राधा (कीर्तन)

ब्रज ठकुरानी राधा, लाडो रानी राधा, श्यामा प्यारी
लाडली तोपे जाऊं मैं वारी।

1. नवल नागरी नित्य किशोरी,
बड़े प्रेम से पली राधा गोरी,
राधा कोमल कली, वृषभानु लली, अती सुकुमारी।
लाडली तोपे जाऊं.....

2. गुण गर्वीली छैल छबीली,
भोरी भारी अति शर्मीली,
कनकबेली राधा,अलबेली राधा,रूप उजियारी।
लाडली तोपे जाऊं.....

3. वरदानी मेरी महारानी,
बरसाने की श्री राधा रानी,
आशा पूरी करे, झोली सबकी भरे, दीन हितकारी।
लाडली तोपे जाऊं.....

4. प्रेमाभक्ति दायिनी राधा,
हर लो दीन ‘‘मधुप’’ की बाधा,
प्रेमावतारणी,लीला विहारिनी,शोभा न्यारी।
लाडली तोपे जाऊं..... ।

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **‘मधुप’** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33203/title/braj-thakurani-radha-laado-rani-radha

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |